Research Paper Education

शिक्षकों के व्यक्तित्व का उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

Mk- lkfu;k ikiyh	Assistant Professor sent Thomas College,Bhilai
Jherh mekdkrh flg	Assistans Professor, Seth Badrilal Khandelwal Education College,Durg, Chhattisgarh

KEYWORDS meteorological dataset, measurement error, surface refractivity error,

iLrkouk %&

किसी भी व्यक्ति का विशिष्टतम गुण ही उसका उपना व्यक्तित्व होता है। उसके व्यवहार, रूचि, शारीरिक रचना, बौद्धिक स्तर, चरित्र तथा इसी प्रकार के स्पष्ट लक्षणों से मिलकर व्यक्तित्व बनता है। इस प्रकार मनोवैज्ञानिक भाषा में व्यक्ति अपने आप में जो कुछ भी है, वही उसका व्यक्तित्व है। व्यक्ति अपने प्रति और दूसरों के प्रति किये जाने वाले व्यवहार का समग्र चित्र है, जिसमें शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से सभी कुछ सम्मिलित होता है।

आत्मविश्वास के कारण व्यक्ति को स्वयं की क्षमताओं से गहरा यकिन होता है, जिससे उसका व्यवहार संयमित होता है तथा उसे स्वयं से संबंधित किसी प्रकार की कोई शंका अथवा वहम् नहीं होता। वह अपनी सफलता एवं प्रगति के प्रति विश्वसनीय एवं आशान्वित रहता है।

mís';

शिक्षकों के व्यक्तित्व का उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

pj

स्वतंत्र चर – व्यक्तित्व

परतंत्र चर – आत्मविश्वास

ifjdYiuk

f'k{kdks ds 0;fDrRo dk mPprj ek/;fed fo|ky;ks esa v/;;ujr fo|kfFkZ;ksa ds vkRefo'okl ij lkFkZd izHkko ugha ik;k tk,xkA

U;kn'kZ

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सूची में से अट्ठारह विद्यालयों का चयन चिट (यादृच्छिक न्यादर्श विधि) द्वारा किया गया। इस तरह से इन अट्ठारह उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के दो सौ तिरालीस शिक्षकों के समूह पर शोध क्रियान्वित किया गया। इसी तरह से गैर सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन चिट (यादृच्छिक न्यादर्श विधि) द्वारा किया गया। इन पन्द्रह उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में उच्च कक्षाओं में अध्यापनरत दो सौ पैंतालीस शिक्षकों के समूह पर शोध का क्रियान्वयन किया गया। प्रदत्तों के अंतिम विश्लेषण हेतु दोनों ही सरकारी एवं गैरसरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के उच्च कक्षाओं में अध्यापनरत दो सौ–दो सौ शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रदत्तों को उपयोग किया गया। इस प्रकार न्यादर्श के प्रथम स्तर का चयन किया गया।

Table No. 1 : Detail of Sample at Teachers level

Government School			Non-Government School			
Male	Female	Total	Male	Female	Total	G Total
73	170	243	87	158	245	488

इसके पश्चात् प्रस्तुत शोध के न्यादर्श के द्वितीय स्तर अर्थात उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके लिए भी छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में स्थित विभिन्न उच्चतर विद्यार्थियों को दो वर्गो में अर्थात सरकारी एवं गैर सरकारी वर्ग में विभ. ाजित किया गया। तत्पश्चात् दोनों वर्गो से दो–दो विद्यालयों का चयन चिट (यादृच्छिक न्यादर्श विधि) द्वारा किया गया। प्रत्येक विद्यालयों में नवमीं, दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं में एक से अधिक वर्ग थे तथा प्रत्येक वर्ग में पैंतीस से चालीस छात्र थे। अतः प्रत्येक उच्च विद्यालयों के उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत तकरीबन तीन सौ छात्र के समूह पर प्रस्तुत शोध का कियान्वयन किया गया। इस तरह से न्यादर्श के दूसरे स्तर पर बारह सौ विद्यार्थियों के न्यादर्श से प्रस्तुत शोध के लिए प्रदत्तों का एकत्रीकरण किया गया।

Table No. 2 : Distribution of Sample at School level

Class	Government School			Non Government School		
	Male	Female	Total	Male	Female	Total
IX	70	90	160	74	96	170
X	74	88	162	76	74	150
XI	80	90	170	90	76	166
XII	80	86	166	90	76	160
			658			646

midj.k

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया।

0;fDrRo

शिक्षकों के व्यक्तित्व के मापन हेतु अजीज एवं गुप्ता (2005) द्वारा निर्मित अंतर्मुखी–बर्हिमुखी अनुसूची का उपयोग किया गया। इस अनुसूची की वैद्यता 0.91 है, तथा विश्वसनीयता 0.95 है।

vkRefo'okl

विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के मापन हेतु अग्निहोत्री (2005) द्वारा आत्मविश्वास अनुसूची का उपयोग किया गया। इसकी वैद्यता 0.82 है तथा विश्वसनीयता 0.94 है।

inRrks dk'k,d=hdj.k

सरकारी विद्यालयों में उच्च कक्षाओं में अध्यापनरत दो सौ तिरालीस शिक्षकों द्वारा व्यि. क्तत्व के मापन हेतु प्रपत्र भरवाया गया। इसी प्रकार गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च कक्षाओं में अध्यापनरत दो सौ पैतालीस शिक्षकों का चुनाव करके उनसे व्यक्तित्व अनुसूची प्रपत्र भरवाया गया एवं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के मापन हेतु सरकारी विघालय के कक्षा नवमीं से बारहवीं तक छःसौ अन्ठावन विद्यार्थियों से आत्मविश्वास अनुसूची भरवाया गया। इसी तरह से गैर सरकारी विद्यालय के कक्षा नवमी से बारहवी तक छः सौ छया. लिस विद्यार्थियों से आत्मविश्वास अनुसूची प्रपत्र भरवाया गया।

lkf[;dh; fo'ys"k.k

शिक्षकों के व्यक्तित्व का उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के

आत्मविश्वास पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करनाß के उद्देश्य से संबंधित संकलित प्रदत्तों के विश्लेषण के लिये **One way ANOVA** सांख्यिकीय तकनीक का उपयोग किया गया इस विश्लेषण के परिणाम तालिका क्रमांक 3 में दिये गये है।

Table No. 3 : Summary of One way ANOVA for self confidence

Source of variance	Sum of squares	df	Mean sum of squares	F
Personality Error	30.469 31062.123	1 397	30.469 78.242	.389
Total	312431.000	399		

तालिका क्रमांक 3 से यह स्पष्ट होता है, कि आत्मविश्वास के लिए F-Value का मान 0.389, df = 1/397 पायी गयी। यह F-Value सार्थक नहीं है अर्थात विद्यार्थियों का वह समूह जिन्हे अंर्तमुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया गया के आत्मविश्वास का स्तर तथा विद्यार्थियों का वह समूह जिन्हें बर्हिमुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया गया के आत्मविश्वास का स्तर के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया। अतः यह शून्य परिकल्पना कि अंर्तमुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाने वाले विद्यार्थियों का समूह तथा बर्हिमुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाने वाले विद्यार्थियों के समूह के आत्मविश्वास के स्तर पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा को अस्वीकृत नहीं किया जाता है।

इस विवेचना के आधार पर यह कहॅा जा सकता है कि विभिन्न प्रकार के व्यक्तित्व वाले शिक्षकों का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

fu’d’k :– शिक्षकों के विभिन्न व्यक्तित्व का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

foopuk

शिक्षकों के व्यक्तित्व का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई प्रभाव नहीं पाया गया। शोधार्थी के अनुसार प्रस्तुत शोध में शिक्षकों के व्यक्तित्व का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर प्रभाव दिखायी देना चाहिए था परंतु ऐसा नहीं पाया गया क्योंकि प्रस्तुत शोध उच्च कक्षा के विद्यार्थियों यानि नवमीं से बारहवीं के विद्यार्थियों पर किया गया हैं। इस उम्र में विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का विकास पूर्णतः हो चुका होता है जिससे किसी भी कार्य को करने में वे पूर्णतः सक्षम होते है, स्वयं निर्णय लेने में समर्थ होते है, परंतु प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास विकासशील होता है। वहॉ पर बर्हिमुखी व्याक्तित्व के शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाने वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर धनात्मक प्रभाव पड़ना चाहिए एवं अंर्तमुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों की कक्षा में इसके विपरीत प्रभाव पड़ता है क्योंकि ऐसे शिक्षक अपने विचारों व उपलब्धियों को प्रस्तुत करने में वे उतने सफल नहीं हो पाते जितने बर्हिमुखी व्यक्तित्व के शिक्षक होते है। इसीलिए उच्च कक्षा के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर शिक्षकों के व्यक्तित्व का कोई प्रभाव नहीं पाया गया।|ky;] nx

REFERENCES

Mangal, S.K. Educational psychology, Asoke k. Ghosh Hall of India private limited Delhi.(2008) Mehta, M., Maheshwari, P. and kumar, V.V. (2008)."Personality patterns of higher secondary Boys across different demographic groups. Journal of the Indian academy of applied psychology vol.34,No.(2) PP-(295-302) Asthana, B. Shrivastava, V. Asthana, Nidhi, (2009) Educational research and statistics, Agrawal publication. Agra Tape, 1O. (2011). Effects of teacher's personality on secondary school discipline: case study of some selected schools in Nigeria. International Journal of educational research vol.44,No.9 Lal, K. (2013) "Emotional maturity, self confidence and academic achievement of adolescents in relation to their gender and Urban-Rural background." American international Journal of research in humanities, arts and social sciences vol 5, No.2 PP-(188-193)